

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

सौ. योगिता रणजीत पाटील : सपनों को दृढ़ संकल्प से जोड़कर अबेकस शिक्षा के क्षेत्र में बनाई नई पहचान

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



सपनों पर विश्वास से शुरू हुई सफलता की कहानी

“महिला को अपने सपने देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए खुद पर विश्वास रखना चाहिए।” इस विचार को अपने जीवन में अपनाते हुए सौ. योगिता रणजीत पाटील ने मेहनत, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयासों से अपनी अलग पहचान बनाई है। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ अपने लिए एक स्वतंत्र व्यावसायिक पहचान बनाने का सपना देखने वाली योगिता ने अबेकस शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

उनकी यात्रा इस बात का उदाहरण है कि परिस्थितियाँ बदलने के बावजूद यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहे, तो नए अवसरों की तलाश की जा सकती है।

नौकरी से उद्यमिता तक का सफर

योगिता पाटील ने रेडियोलॉजी में डिप्लोमा किया। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने नौकरी भी की, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों और छोटे बच्चों की देखभाल के कारण उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी।

इसके बावजूद अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की इच्छा उनके मन में बनी रही। इसी लक्ष्य को दिशा देते हुए उन्होंने वर्ष 2021 में ‘Success Abacus’ की फ्रेंचाइज़ी ली और शिक्षा के क्षेत्र में अपना नया सफर शुरू किया।

यह निर्णय उनके लिए एक नए व्यावसायिक अध्याय की शुरुआत था। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपने काम को आगे बढ़ाना, विद्यार्थियों तक पहुँचना और एक स्थायी पहचान बनाना उनके सामने महत्वपूर्ण लक्ष्य थे।

एक प्रेरणादायी विचार ने बदली सोच

अपने सफर के दौरान एक बैठक में सुने गए प्रेरणादायी विचारों ने योगिता पाटील को अपने लक्ष्य के प्रति अधिक गंभीरता से काम करने की प्रेरणा दी। उन्हें यह संदेश मिला कि हर व्यक्ति को अपना सपना देखना चाहिए और उसे एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

उन्होंने अपनी कार खरीदने का सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास शुरू किए। इस लक्ष्य ने उन्हें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने, अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचने और अपनी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने की प्रेरणा दी।

उनकी मेहनत का परिणाम उल्लेखनीय रहा। उन्होंने एक वर्ष के भीतर 121 ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त किए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उस अवधि में यह Success Abacus के अंतर्गत सर्वाधिक विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त करने की उपलब्धि थी। इस सफलता के बाद उन्होंने अपनी कार खरीदने का सपना भी पूरा किया।

उनकी इस उपलब्धि के लिए बिजनेस कोच अमोल साळुंखे के हाथों उन्हें 'Best Performance' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कारों से सम्मानित हुई निरंतर मेहनत

योगिता पाटील के व्यावसायिक सफर में विभिन्न पुरस्कार और सम्मान महत्वपूर्ण पड़ाव बनकर सामने आए।

- **2023:** सांसद डॉ. अमोल कोल्हे के हाथों उद्यमी के रूप में पुरस्कार प्राप्त किया।
- **2024:** मराठी अभिनेता स्वप्नील जोशी के हाथों 'शतकवीर' सम्मान प्राप्त किया।
- **2025:** वैज्ञानिक पद्मविभूषण डॉ. रघुनाथ माशेलकर के हाथों 'Best Abacus Teacher & Teacher Trainer' पुरस्कार से सम्मानित हुई।
- **5 मई 2026:** अभिनेता एवं निर्माता श्रेयस तळपदे के हाथों एक बार फिर 'शतकवीर' सम्मान प्राप्त किया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, Success Abacus की ओर से प्रतिवर्ष 100 से अधिक प्रवेश प्राप्त करने वाली फ्रेंचाइज़ियों को 'शतकवीर' सम्मान दिया जाता है। योगिता पाटील ने यह उपलब्धि दोबारा हासिल करके अपने काम में निरंतरता का परिचय दिया।

विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों को भी दे रही है प्रशिक्षण

योगिता पाटील का कार्य केवल विद्यार्थियों को अबेकस सिखाने तक सीमित नहीं है। वे अन्य शिक्षकों को भी प्रशिक्षण देती हैं, ताकि वे इस पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों को गणित सीखने में सहायता कर सकें।

उनसे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार उनका योगदान विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य शिक्षकों के कौशल विकास तक भी पहुँच रहा है।

शिक्षक प्रशिक्षण किसी भी शैक्षणिक पहल को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे ज्ञान और शिक्षण पद्धतियों को अधिक लोगों तक पहुँचाने के अवसर मिलते हैं।

भारत से कनाडा और दुबई तक पहुँची ऑनलाइन कक्षाएँ

आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए योगिता पाटील ने अपनी ऑनलाइन अबेकस कक्षाओं का विस्तार भारत के बाहर भी किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कनाडा और दुबई में रहने वाले विद्यार्थी भी ऑनलाइन माध्यम से उनसे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

डिजिटल शिक्षा ने शिक्षकों के लिए भौगोलिक सीमाओं से परे विद्यार्थियों तक पहुँचने के नए अवसर खोले हैं। योगिता पाटील ने इसी माध्यम का उपयोग करते हुए अपने शिक्षण कार्य का दायरा बढ़ाया है।

ऑनलाइन कक्षाओं के बाद उन्होंने उरण-द्रोणागिरी में अपना ऑफलाइन 'Success Abacus' केंद्र भी शुरू किया। इस केंद्र में भी विद्यार्थियों की रुचि और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की जानकारी दी गई है।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से काम करने की उनकी पहल विद्यार्थियों को अलग-अलग तरीकों से सीखने का अवसर

प्रदान करती है।

अबेकस के माध्यम से बौद्धिक विकास पर जोर

योगिता पाटील के लिए अबेकस केवल गणित सिखाने का माध्यम नहीं है। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को संख्याओं के साथ सहज बनाना और मानसिक गणना का अभ्यास कराना है।

अबेकस का अभ्यास विद्यार्थियों को गणना की तकनीक सीखने का अवसर देता है। नियमित अभ्यास से मानसिक गणना में दक्षता विकसित करने में मदद मिल सकती है। इसके साथ ही ध्यान केंद्रित करने, अभ्यास में निरंतरता बनाए रखने और समस्या हल करने की आदतों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। हालाँकि, प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति और परिणाम अलग-अलग हो सकते हैं।

विद्यार्थियों को सीखने के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी क्षमताओं को विकसित करने में सहयोग देना उनके शिक्षण कार्य के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

नौकरी छोड़ने के बाद अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने से लेकर ऑनलाइन विद्यार्थियों तक पहुँचने, शिक्षकों को प्रशिक्षण देने और ऑफलाइन केंद्र शुरू करने तक की उनकी यात्रा मेहनत, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयासों का उदाहरण है।

उनकी कहानी महिलाओं को यह संदेश देती है कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए हमेशा अनुकूल परिस्थितियों की प्रतीक्षा करना जरूरी नहीं है। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखकर और निरंतर प्रयास करते हुए आगे बढ़ने के रास्ते बनाए जा सकते हैं।

संपर्क विवरण

- मोबाइल : 7249726502
- ई-मेल : yogitapatil1988@gmail.com